केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 29 मंगलवार 18 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हाईटेंशन लाइन से झुलसे युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के पैकोलिया थाना क्षेत्र में हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से झुलसे एक युवक की गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। सेमरा गांव निवासी 32 वर्षीय राजकुमार ने सोमवार सुबह दम तोड़ा। यह घटना 11 अगस्त को हुई थी। जानकारी के अनुसार, राजकुमार पुत्र गोवर्धन 11 अगस्त की सुबह करीब 11:30 बजे बैरिहवा तिराहे पर महातम पुत्र शंकर के निर्माणाधीन मकान में सटरिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान वह मकान के बगल से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। घायल राजकुमार को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रैया ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। बाद में उसे बेहतर उपचार के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया था।

परिजनों ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान राजकुमार की मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी थी। पोस्टमार्टम के बाद शव को उसके पैतृक गांव सेमरा लाया जाएगा। युवक की मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

नाग पंचमी पर श्रद्धालुओं ने की नाग देवता की पूजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया बाजार में नाग पंचमी के अवसर पर पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने काली मंदिर में नाग देवता की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और सुख–शांति व समृद्धि की कामना की।नाग पंचमी के अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने पारंपरिक रीति–रिवाजों का पालन करते हुए नाग देवता के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की।दुबौलिया बाजार क्षेत्र में यह प्राचीन परंपरा आज भी पूरी तरह जीवंत है। बदलते समय के बावजूद, स्थानीय लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं और पुरानी परंपराओं को सहेज कर रखे हुए हैं और नई पीढ़ी को भी इनसे जोड़ रहे हैं।नाग पंचमी का यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक आस्था, लोक परंपरा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

लुधियाना में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके वालों ने पीटकर हत्या का लगाया आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के सिहारी निवासी 32 वर्षीय विवाहिता की लुधियाना में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका छह माह की गर्भवती थी और उसकी तीन बेटियां हैं। सोमवार सुबह शव एंबुलेंस से बस्ती पहुंचा। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर महिला को थप्पड़ों से पीट–पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, पति का कहना है कि पत्नी की मौत बीमारी के चलते हुई। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के देवरिया निवासी मृतका के भाई मनोज कुमार के अनुसार, उनकी बहन इस्लौता की शादी करीब 13 साल पहले सिहारी निवासी सुरेंद्र (35) से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद सुरेंद्र उसे अपने साथ लुधियाना ले गया। वहां वह लोहे के कारखाने में काम करता है। मनोज कुमार ने बताया कि 14 अगस्त को बहन की ननद ने फोन कर इस्लौता की मौत की सूचना दी। उनका आरोप है कि पिछली राखी पर इस्लौता मायके आई थी और इसके बाद पति के साथ लुधियाना चली गई। इसके बाद सुरेंद्र ने करीब छह महीने तक मायके वालों की उससे बात नहीं कराई। फोन करने पर वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात कराने से मना कर देता था। इसी वजह से मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार को ससुराल पक्ष पर संदेह हुआ। मायके वालों के मुताबिक, सुरेंद्र शुरुआत में शव को बस्ती लाने के लिए तैयार नहीं था और इसको लेकर विवाद भी हुआ। परिवार की ओर से आधा किराया देने की बात कहने के बाद वह शव बस्ती लाने को राजी हुआ। सोमवार सुबह करीब छह बजे एंबुलेंस से शव बस्ती पहुंचा।

भाजपा की नई टीम में तीन पूर्व मुख्यमंत्री, 18 सांसद और 10 महिलाएं

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान करके आगामी 2029 लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपना बड़ा सियासी दांव चल दिया है। 64 सदस्यों वाली इस नई टीम में पुराने तजुर्बे, युवाओं के जोश, प्रांतीय विविधता और सोशल इंजीनियरिंग का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है।

सबसे खास बात यह है कि पूरी टीम में 40 फीसदी से ज्यादा सीटें वंचित, पिछड़े और दलित समुदायों के नेताओं को सौंपी गई हैं। पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की यह टीम देश के 23 राज्यों और केंद्र

शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करती है। मकसद साफ है– कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और पूर्वोत्तर तक हर इलाके की आवाज को संगठन में जगह दी जाए। पूरा प्रयास है कि सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिले।

भाजपा की नई टीम में यूपी से रेखा वर्मा, स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी समेत 8 नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

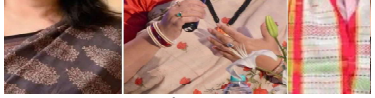

लखनऊ (आभा)। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान हो गया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम में 13 उपाध्यक्ष और 8 महासचिव शामिल हैं। जिसमें कई नए चेहरों को भी जगह मिली है। बात अगर यूपी के मद्देनजर करें तो 8 लोगों को नई टीम में जगह मिली है। जिसमें स्मृति ईरानी, रेखा वर्मा, हरीश द्विवेदी समेत आठ लोग शामिल हैं। यूपी की धौरहरा की पूर्व सांसद रेखा वर्मा को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. तारिक मंसूर को उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। अभी यूपी विधान परिषद के सदस्य हैं। बस्ती से दो बार के पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। 2004 में वो सक्रिय रूप से बीजेपी के लिए काम करना शुरू किया था। साल 2012 में उन्होंने सबसे बस्ती सदर (विधानसभा क्षेत्र) से चुनाव लड़ा, लेकिन वो बीएसपी के उम्मीदवार जितेंद्र कुमार से हार गए थे और तीसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि, वो साल 2014 में बस्ती से 16वीं लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज कर पहली बार सांसद बने थे। बीजेपी के नई टीम में स्मृति ईरानी को महामंत्री का पद दिया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और अमेठी की पूर्व सांसद को बड़ी जिम्मेदारी दी है।

इसके अलावा अगर नए चेहरों की बात करें तो भोला सिंह को सचिव, संगीता यादव को सचिव, अमरपाल मौर्या को ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष और कुंबर बसित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी का राष्ट्रीय महामंत्री बनना गौरव का क्षण–अभिनव उपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को रोडवेज तिराहे पर भाजपा नेता अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाये जाने पर आतिशबाजी किया गया, भाजपा नेता नें कार्यकर्ताओं और नागरिकों को मिठाई खिलाकर खुशियाँ को साझा किया। कहा कि बस्ती जनपद के लिए गौरव का क्षण है जो एक सामान्य से कार्यकर्ता को विश्व के सबसे बड़े दल में राष्ट्रीय महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी, प्रदेश संगठन महामंत्री बी एल संतोष और शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर आशीष शुक्ल , महेंद्र शंकर, आकाश सिंह जी, उत्कर्ष शुक्ल, आलोक पांडेय, आलोक पांडेय, संतोष भरद्वाज, सर्वेश पांडेय जी, सुधांशु त्रिपाठी, अभिषेक श्रीवास्त्व, शिवांश उपाध्याय, रुपेश शुक्ल, पंकज चौधरी, अजीत सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

परिवहन निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में प्रतिशत बढ़ोतरीः कोटेदारों को सौगात

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार ने परिवहन निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी किए जाने का निर्णय किया है। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के अनुसार निगम में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर तथा प्रोग्रामर के मानदेय में पांच प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बढ़ा हुआ मानदेय जुलाई से प्रदान किया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने कहा कि निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्राविधान है, जिसके तहत पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी जनवरी माह में और पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी जुलाई माह में दिए जाने की व्यवस्था है।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में सिंगल स्टेज डोर–स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई–पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। सीएम ने बटन दबाकर यूपी के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में हुई वृद्धि (90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल) का उपहार दिया। उन्होंने कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि की है इसमें 10 रुपये केंद्र व 25 राज्य सरकार दे रही है। हमने 25 रुपये और बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। समय लगेगा, लेकिन यह काम हो गया तो आपके लिए और भी अच्छी व्यवस्था होगी।

हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर कुदरहा ब्लाक प्रमुख के नेतृत्व में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में बस्ती के पूर्व सांसद, असम प्रदेश प्रभारी एवं राजस्थान स्थानीय निकाय चुनाव के प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर कुदरहा ब्लॉक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई। प्रशासक, ब्लॉक प्रमुख अनिल दूबे के नेतृत्व में ब्लॉक मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज नजर आए।

प्रशासक अनिल दूबे ने कहा कि हरीश द्विवेदी का संगठन में विश्वास और उनकी कार्यक्षमता ही उन्हें लगातार नई जिम्मेदारियां दिला रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय महामंत्री की नई जिम्मेदारी का भी हरीश द्विवेदी बखूबी निर्वहन करेंगे और उनके अनुभव का लाभ पार्टी संगठन को मिलेगा।

इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, सच्चिदानंद यादव, ओंकार चौधरी, बीडीसी मोहम्मद हयूम, महंत पाल, डब्लू पाल, अजय पाल, सदरूद्दीन अंसारी, बंसीलाल, राधा गुप्ता और पूर्व प्रधान रामशंकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर भाजपा में खुशी की लहरः बांटी मिठाई ,फोड़े पटाखे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व सांसद और असम के पार्टी प्रभारी हरीश द्विवेदी को भाजपा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने के बाद जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन की ओर से नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के बाद मंगलवार दोपहर 2 बजे जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिला कार्यालय पर एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर खुशी जताई। इस दौरान पटाखे फोड़कर भी हर्ष का इजहार किया गया। कार्यकर्ताओं ने हरीश द्विवेदी को नई जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा

के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन, केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलना उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और कार्यक्षमता का परिणाम है। उन्होंने इसे बस्ती जिले के लिए भी गौरव का क्षण बताया।

जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उनके मार्गदर्शन में संगठन को और मजबूत करने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनकी नियुक्ति से बस्ती भाजपा में नई ऊर्जा का संचार होगा और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों व जनसंपर्क अभियानों को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह, भानु प्रकाश मिश्र, वीरेंद्र गौतम, प्रेम प्रकाश चौधरी, शिवानी सिंह, अजय पाल सिंह, नीरज त्रिपाठी, सुमन सिंह, पप्पू शुक्ला, तारक जायसवाल, मनमोहन श्रीवास्तव, शरद रावत, अरविंद चौधरी, अश्वनी श्रीवास्तव और राजन ठाकुर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाधान दिवस में 7 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्न की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील रूधौली में सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक–एक कर सुनते हुए मौके पर उपस्थित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को जनशिकायतों को निर्धारित समय सीमा

के अन्तर्गत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व ससमय समस्याओं का निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह ने भी सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से संबंधित मामलों को तत्परता से निस्तारण करायें। उप जिलाधिकारी अहमद फरीद खान ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 63 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया।

सपा के संविधान बचाओ' पीडीए जन पंचायत में निशाने पर रही भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में 'संविधान बचाओ' पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य संजय विद्यार्थी सविता ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की मौजूदा सरकार किसान, नौजवान और महिला विरोधी है। कहा कि प्रदेश में कानून का राज खत्म हो चुका है और हर तरफ अव्यवस्था का माहौल है। सपा नेता ने दावा किया कि किसान खाद और बीज के लिए परेशान हैं, जबकि बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कहा कि सपा सरकार बनने पर पुनः जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जाएगा।

संजय विद्यार्थी सविता ने भाजपा सरकार पर दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछड़ी जातियों को मिलने वाले आरक्षण के साथ भी अन्याय किया जा रहा है। सपा नेता ने आरोप लगाया कि पिछड़े वर्ग के अधिकारों पर लगातार हमला किया जा रहा है और उन्हें सरकारी नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही ऐसी पार्टी है, जो किसानों, नौजवानों और महिलाओं के हितों के लिए लगातार आवाज उठाती रही है।

'संविधान बचाओ' पीडीए जन पंचायत की अध्यक्षता करते हुये विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता एक बार फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती

–सपा की सरकार बनने पर लागू होंगी जन कल्याणकारी योजनायें– संजय विद्यार्थी सविता

–सपा के नीति, कार्यक्रम को जनता तक ले जाय कार्यकर्ता–महेन्द्रनाथ यादव

है। जिससे कि वर्तमान सरकार में बन्द हुए जनकल्याणकारी योजनाएं पुनः शुरू हो सके और इसका सीधा लाभ एक बार फिर छात्रों को कन्या विद्याधन, लैपटॉप, साईकिल, छात्रवृत्ति आदि के रूप में मिल सके। इतना हीं नहीं सपा सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार एवं सरकारी नौकरी देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किया जायेगा। कहा कि सपा के नीति, कार्यक्रम को कार्यकर्ता जनता तक ले जाय ।

पीडीए जन पंचायत को विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', अभिषेक शर्मा, सोनू शर्मा, रामतौल शर्मा, संजय शर्मा, व्यासमणि शर्मा, जे.पी. शर्मा, प्रेमचन्द्र शर्मा, रमेश शर्मा, चन्द्रभान शर्मा,रक्षाराम शर्मा आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि भाजपा सरकार के लगभग दस वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन जिले में एक भी बड़े उद्योग नहीं लगाए जा सके हैं, बेरोजगारी मंहगाई चरम पर है, सरकार योजनाओं के नाम पर बजट की घोषणा तो करती है, लेकिन वह पैसा जमीन पर दिखाई नहीं देता है। सपा नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ता, पदाधिकारी 2027 में यूपी में सपा की मजबूत सरकार बनाने के लिये पूरी ताकत से जुट जाय। जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है।

'संविधान बचाओ' पीडीए जन पंचायत में मुख्य रूप से मो. स्वाले, राजाराम यादव, मो. सलीम, गीता भारती, रणजीत यादव रिन्टू, रहमान सिद्दीकी, अजय यादव, अरविन्द यादव, रन बहादुर यादव, अरविन्द सोनकर, युनूस आलम, अजीत सिंह, रितेश यादव, जे.पी. नन्द, रामचन्दर शर्मा, चन्द्रभान शर्मा, रमेश चन्द्र शर्मा, बब्लू शर्मा, जयराम शर्मा, सुभाष ठाकुर, संदीप शर्मा, पिन्टू शर्मा, राजेश शर्मा, ज्ञानेश शर्मा, अभिनन्दन शर्मा, पंकज शर्मा, महेश शर्मा, राजू शर्मा, रामनरायन शर्मा, मधुबाला शर्मा, रामानन्द शर्मा, सन्तराम शर्मा, रामनरायन शर्मा, रामसागर शर्मा के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जन जागृति चौपाल में उमड़ा जनाक्रोशः नीतियों में सुधार न हुआ तो भाजपा प्रत्याशियों का होगा खुला विरोध-रामजी पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा द्वारा भादी बुर्जुग गांव में आयोजित जन जागृति आक्रोश चौपाल में उपस्थित लोगों ने यूजीसी काले कानून एवं शिक्षा में आरक्षण, स्वास्थ्य सेवा की बदहाल व्यवस्था एवं युवाओं के भविष्य तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। सभा में मोर्चा अध्यक्ष रामजी पाण्डेय ने कहा कि सरकार यूजीसी काले कानून को जल्द वापस लिया जाए नहीं तो सवर्ण समाज आगामी चुनाव में वोट से इस भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंकने का काम करेगा। अगर सरकारी जन सुविधाओं को नजर अंदाज करती रही और ई–20 पेट्रोल नीति सहित आम जनता को प्रभावित करने वाली विभिन्न नीतियों पर सुधार नहीं हुआ तो चुनाव में सरकार का खुलकर विरोध और वहिष्कार किया जाएगा और वोट मांगने आए प्रत्याशियों को चूडी बिंदी से स्वागत होगा।

अमितेष प्रताप सिंह ने कहा कि जिन नए प्रावधानों का विरोध किया जा रहा है, उसमे सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य पर खतरा हैं उन्हें बिना व्यापक जनसंवाद और सहमति के लागू किया गया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष व्याप्त है। यशवंत सिंह रोलू ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार आरक्षण से योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है । चन्द्रशे सिंह जी ने कहा यूजीसी काले कानून से युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों तथा उच्च शिक्षा में बार–बार किए जा रहे बदलावों ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया है। प्रमोद सिंह जी ने मांग किया कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक प्रयोगों का माध्यम बनाने के बजाय छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

चौपाल में नौकरियों में आरक्षण एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि आम नागरिक को आज भी गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। मोर्चा का मानना हैं कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सीय सुविधाएं बढ़ाने तथा गरीब और मध्यम वर्ग के लिए बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की जरूरत है। देश मे किसी भी बड़े निर्णय को लागू करने से पहले अगर सवर्ण समाज को विश्वास में नहीं लिया गया तो परिणाम भयानक होगा अन्यथा सामाजिक, आर्थिक और व्यावहारिक प्रभावों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों पर अनावश्यक बोझ न पड़े।

राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के भविष्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर जनभावनाओं की लगातार अनदेखी की गई, तो जनता लोकतांत्रिक तरीके से ुनावा में इसका जवाब देगी। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च है और सरकारों का भविष्य जनता के विश्वास पर निर्भर करता है। सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो संगठन प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाकर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन को आगे बढ़ाएगा।

बैठक में सेक्टर प्रभारी जीत नारायण मिश्र, अन्य सेक्टर प्रभारी प्रेम शंकर राठौर, आशीष सिंह राठौर, जयसिंह राठौड़, उदय प्रताप सिंह, सहित रामप्रताप सिंह, नवीन दुबे, रवि सिंह, अभय देव शुक्ल, विनय सिंह, यशवंत सिंह रोलू, अवधेश मिश्रा, प्रमोद सिंह, संजय शुक्ल, साकेत त्रिपाठी, अन्य सेक्टर प्रभारी रवीन्द्र पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह, त्रिवेणी पाण्डेय, सिद्धार्थ त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 अगस्त 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

शिक्षा व्यवस्था और सरकार

अगर हाल के वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो बहुत ही बेचैन करने वाला एक सच सामने आता है। हर साल हजारों की संख्या में सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। सरकारी फाइलों में इस प्रक्रिया को बहुत ही तकनीकी और साफ–सुथरा नाम दिया गया है और वह है– स्कूलों का विलय। तर्क यह दिया जाता है कि इन स्कूलों में बच्चों की संख्या इतनी कम हो गई है कि इन्हें चलाना आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। मगर यह तर्क उस असली सवाल को बड़ी सफाई से छिपा ले जाता है कि आखिर उन स्कूलों से बच्चे गायब क्यों हो गए? यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि दशकों की नीतिगत उदासीनता का परिणाम है। जब एक स्कूल बंद होता है, तो सिर्फ एक रजिस्टर बंद नहीं होता, उस इलाके के सबसे कमजोर वर्ग के बच्चों से उनके जीवन को बदलने का एकमात्र अवसर छिन जाता है।

आज भी हमारे अधिकतर सरकारी स्कूल किसी आदिम युग की याद दिलाते हैं। जब बारिश का मौसम आता है, तो कई स्कूलों की छतें छलनी बन जाती हैं। बच्चों को अपनी किताबें भीगने से बचाने के लिए किसी सूखे कोने में खड़ा होना पड़ता है। कभी सर्दियों में ठिठुरन के बीच फर्श पर बैठने की मजबूरी, तो कभी गर्मियों में बिना पंखे की कक्षाएं। यह माहौल है जिसमें हम अपने देश के नौनिहालों से एकाग्रता और उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं।

हम एक तरफ कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति के युग में प्रवेश कर रहे हैं, दूसरी तरफ हमारे लाखों विद्यालयों की हकीकत यह है कि वहां एक ब्लैक बोर्ड और बैठने के लिए कुर्सियां तक मयस्सर नहीं हैं। बुनियादी ढांचे की इस कमी में सबसे शर्मनाक स्थिति स्वच्छता और पेयजल की है। आज भी अनगिनत स्कूलों में पीने के पानी का साफ स्रोत नहीं है। शौचालयों की स्थिति तो इतनी बदतर है कि कई बार वे बीमारियों का घर बन जाते हैं। इस बदहाली का सबसे बड़ा और सीधा नुकसान लड़कियों को उठाना पड़ता है। जैसे ही बच्चियां किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रखती हैं, साफ और सुरक्षित शौचालय का न होना उनके लिए स्कूल छोड़ने का सबसे बड़ा कारण बन जाता है। एक टूटे हुए दरवाजे वाला शौचालय किसी भी बच्ची के सपनों को तोड़ने के लिए काफी है।

देशभर में शिक्षकों के लाखों पद खाली पड़े हैं। ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति इतनी भयावह है कि कई स्कूल 'एकल शिक्षक' के भरोसे चल रहे हैं। एक ही व्यक्ति पहली कक्षा से लेकर पांचवीं तक के सभी बच्चों को, सभी विषय एक ही समय पर कैसे पढ़ा सकता है? विज्ञान, गणित और अंग्रेजी जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों का न होना आम बात हो गई है। इसका असर बच्चों की नींव पर पड़ता है। वे किसी तरह रट कर या व्यवस्था की मेहरबानी से अगली कक्षाओं में पहुंच तो जाते हैं, लेकिन उनका बुनियादी ज्ञान इतना कमजोर होता है कि वे जीवन की आगे की चुनौतियों के सामने घुटने टेक देते हैं।

शिक्षकों की कमी से भी बड़ी विडंबना यह है कि जो शिक्षक मौजूद हैं, उन्हें पढ़ाने के अलावा अन्य कई काम में लगा दिया गया है। हमारे तंत्र ने शिक्षक को एक बहुउद्देश्यीय कर्मचारी मान लिया है। इन सबके ऊपर मध्याह्न भोजन का पूरा प्रबंधन, राशन लाना, गैस सिलेंडर का इंतजाम करना और हिसाब–किताब रखना भी शिक्षक के ही जिम्मे है।

इस बदहाली ने समाज में एक बाजार को फलने–फूलने का मौका दिया है, यानी निजी स्कूलों का बाजार। आज स्थिति यह है कि एक रेहड़ी लगाने वाला या दिहाड़ी मजदूर भी अपना पेट काट कर अपने बच्चों को गली–मोहल्ले में खुले किसी अंग्रेजी माध्यम वाले स्कूल में भेजना चाहता है। ऐसा इसलिए नहीं है कि उसे वहां की शिक्षा गुणवत्ता पर बहुत विश्वास है, बल्कि इसलिए है कि सरकारी स्कूल से उसकी उम्मीदें टूट चुकी हैं। इस पूरी प्रक्रिया ने हमारे समाज के ताने–बाने को गहरा नुकसान पहुंचाया है। स्कूल कभी सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा केंद्र हुआ करते थे, लेकिन आज हमारी शिक्षा व्यवस्था समाज को जोड़ने के बजाय उसे अमीरी और गरीबी की दो स्पष्ट और अगम्य खाइयों में बांट रही है।

गरीब बच्चों को स्कूल तक लाने और कुपोषण से लड़ने के लिए 'मध्याह्न भोजन' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजना लाई गई थी। सोच यही थी कि कोई भी बच्चा भूखे पेट स्कूल में न रहे। मगर अक्सर ऐसी खबरें आती हैं कि बच्चों को नमक से रोटी खानी पड़ रही है या खाने में कीड़े निकल रहे हैं। ऐसा लगने लगा है कि कई परिवारों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का प्राथमिक उद्देश्य शिक्षा नहीं, बल्कि एक वक्त का निवाला है। यह हमारी सामाजिक विषमता का सबसे दुखद पहलू है।

एक तरफ जहां स्कूलों को ज्ञान का मंदिर होना चाहिए था, वहां वे सिर्फ अनाज वितरण का केंद्र बन कर रह गए हैं। शिक्षा का वह मूल उद्देश्य जो बच्चे के मानसिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा था, वह दाल–चावल की थाली के पीछे कहीं छिप–सा गया है। भ्रष्टाचार और लालफीताशाही ने शिक्षा के पूरे ढांचे को इस कदर खोखला कर दिया है कि स्कूल की इमारतें बनने के कुछ ही वर्षों में खंडहर होने लगती हैं। बच्चों तक किताबें, वर्दियां और साइकिलें पहुंचने में आधा शैक्षणिक सत्र बीत जाता है। बिना किताबों के कोई भी बच्चा कक्षा में क्या करेगा? यह वैसा ही है जैसे किसी सिपाही को बिना हथियारों के सीमा पर लड़ने भेज दिया जाए।

हालांकि, इस घने अंधेरे के बीच उम्मीद की किरणें बची हुई हैं। व्यवस्था सुधारी जा सकती है। दुनिया भर के विकसित देशों, चाहे वह फिनलैंड हो, जापान हो या कनाडा, वहां की प्रगति का मुख्य आधार सरकारी स्कूल ही हैं। वहां माता–पिता अपने बच्चों को लेकर निजी स्कूलों में नहीं जाते। हमारे देश में भी हाल के कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों और कई शिक्षकों ने यह साबित किया है कि अगर इच्छाशक्ति हो, तो बदलाव संभव है। जब स्कूलों के बुनियादी ढांचे को शानदार बनाया गया, शिक्षकों को आधुनिक प्रशिक्षण और सम्मान दिया गया और शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखा गया, तो वही अभिभावक, जिन्होंने अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजा था, वे लौट कर सरकारी स्कूलों में खड़े नजर आए।

देश के कोने–कोने में ऐसे कई शिक्षक हैं, जो बिना किसी सरकारी मदद के, अपने जुनून और वेतन के पैसों से अपने स्कूलों को 'स्मार्ट क्लास' और खूबसूरत परिसरों में बदल रहे हैं। ये प्रयास बताते हैं कि सरकारी व्यवस्था में जान फूंकी जा सकती है, लेकिन बदलाव के ये उदाहरण काफी नहीं हैं। इस समय पूरी व्यवस्था के कायाकल्प की जरूरत है। सबसे पहले समाज को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें यह समझना होगा कि ये सरकारी स्कूल सरकार के नहीं, हमारे अपने हैं। जब तक गांव का समुदाय, पंचायत और मोहल्ले के लोग विद्यालय को अपनी संपत्ति मान कर उससे नहीं जुड़ेंगे, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती।

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची के सियासी संकेत

—नीरज कुमार दूबे—

नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है।

हम आपको बता दें कि आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है। इस बदलाव को केवल संगठनात्मक फेरबदल मानना मुश्किल है। यह संकेत है कि नितिन नबीन डिजिटल और राजनीतिक नैरेटिव की लड़ाई में नई रणनीति और नए चेहरों के साथ उतरना चाहते हैं। साथ ही चूंकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में पार्टी के प्रभारी रह चुके हैं ऐसे में वह जानते हैं कि उस राज्य के किस नेता की कार्यक्षमता का उपयोग कहां पर करना पार्टी के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

इसके अलावा, स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली, संसदीय अनुभव और विपक्ष के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर लाना बताता है कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे निर्णायक राज्य में राजनीतिक सक्रियता को और धार देना चाहती है।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। छह महिला उपाध्यक्षों की मौजूदगी से महिला प्रतिनिधित्व का संदेश भी स्पष्ट है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया शामिल हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।

साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी व्यापक क्षेत्रीय संतुलन दिखाई देता है। कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये डॉ. संदीप पाठक और फांगनॉन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देब बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इनमें दक्षिण, पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत, हिंदी पट्टी और शहरी राजनीतिक पृष्ठभूमि, सभी को जगह मिली है।

नई टीम के अन्य हिस्से भी राजनीतिक संकेत दे रहे हैं। केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग और केंद्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे बनाए गए हैं। नॉर्थ–ईस्ट कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा और संयुक्त कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी राजीव बब्बर को दी गई है। सभी सेल्स के समन्वय की कमान विष्णु दत्त शर्मा को मिली है, जबकि ऋतुराज सिन्हा और विष्णु वर्धन रेड्डी संयुक्त समन्वयक होंगे।

मोर्चों की कमान भी सामाजिक और चुनावी विस्तार को ध्यान में रखकर तय की गई है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. हेमंग जोशी, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, किसान मोर्चा के अध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, एससी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. मन्नालाल रावत और अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बसीत अली बनाए गए हैं। इससे भाजपा ने समाज के अलग–अलग वर्गों के बीच संगठनात्मक पहुंच को मजबूत करने की कोशिश की है।

वित्तीय मोर्चे पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पीयूष गोयल के प्रशासनिक और आर्थिक अनुभव का लाभ संगठन के वित्तीय प्रबंधन को मिल सकता है। पीयूष गोयल पहले भी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। यहां सवाल यह है कि अब देखना यह होगा कि 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत को महत्व देने वाली भाजपा क्या पीयूष गोयल से केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को कहती है या फिर वह दोनों पदों पर बने रहेंगे?

कुल मिलाकर नितिन नबीन की टीम का संदेश साफ है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदाधिकारियों की सूची के रूप में नहीं, बल्कि चुनावी मशीनरी के रूप में कसना चाहती है। राम माधव की रणनीतिक समझ, वसुंधरा राजे का जनाधार, स्मृति ईरानी की आक्रामक राजनीतिक शैली, सुनील बंसल का संगठनात्मक अनुभव, पीयूष गोयल की प्रशासनिक क्षमता और दक्षिण–पूर्वोत्तर से आए नेताओं का क्षेत्रीय अनुभव पार्टी के लिए अलग–अलग मोर्चों पर उपयोगी साबित हो सकता है।

लेकिन असली चुनौती भी यहीं से शुरू होती है। अलग–अलग क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं वाले नेताओं को एक सूत्र में बांधना, राज्यों में गुटबाजी को नियंत्रित करना, डिजिटल नैरेटिव को विपक्ष के हमलों के सामने प्रभावी बनाना, संगठन और सरकार के बीच तालमेल कायम रखना और आगामी चुनावों में इन नियुक्तियों के जरिये साधे गये सामाजिक समीकरणों को वास्तविक वोटों में बदलना आसान नहीं होगा। नितिन नबीन ने टीम चुन ली हैय अब इस टीम को परिणाम देने वाली राजनीतिक ताकत में बदलना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

दिमागी नक्सली' शब्द पर हंगामा

—अवधेश कुमार—

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए संबोधन में देश के वर्तमान, भविष्य, विकसित भारत के लक्ष्य, विश्व व्यवस्था आदि पर इतने पहलू थे, जिन पर लंबे समय तक चर्चा हो सकती है। किंतु उनकी कुछ बातों पर जैसी तीखी प्रतिक्रिया और उबाल दिख रहा है, उस पर गौर करना आवश्यक है। सबसे ज्यादा प्रतिवाद उनके द्वारा 'दिमागी नक्सली' शब्द के इस्तेमाल पर हो रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठनेता और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने यहां तक कह दिया कि, ''मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व है।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री पहले अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहते थे और अब दिमागी नक्सल कह रहे हैं। उन्होंने यहभी कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सरकार के विरोधियों को पहले अर्बन नक्सल या अब दिमागी नक्सल कहा जाता है, उनमें से कुछ मांगों या विचारोंको सरकार बाद में स्वीकार करती रही है। सोशल मीडिया पर जाएंगे तो भारी संख्या में लोग स्वयं को दिमागी नक्सली और न जाने क्या–क्या कह रहे हैं। यह स्थिति चिंता पैदा करने वाली है किंतु आश्चर्यजनकनहीं।

पहले यह देखें कि आखिर प्रधानमंत्री ने कहा क्या? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें सावधान रहने की जरूरत है। हथियारबंद नक्सल तो गए लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह–तरह के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग हिंसा, अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा। इन्हें युवाओं को भटकाने से बचाना होगा और इन्हें आइसोलेट करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।''

यह भी सच है कि अब एक अन्य किस्म के झूठ द्वारा कृत्रिम असंतोष और हिंसक अराजकता पैदा करने की कोशिश लगातार चल रही है। उदाहरण के लिए हाल के कुछ आंदोलन देखिए। सरकार ने पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक रूप से उत्पीड़ित गैर मुसलमानों के लिए नागरिकता कानून में संशोधन किया तो उसके विरुद्ध दिल्ली के शाहीनबाग में धरना शुरू हुआ। देखते–देखते देश और दुनिया में इसका दुष्प्रचार हुआ। धरनास्थल सड़क पर स्थायी निर्माण कर दिए गए। अगर कोरोना संकट नहीं आता तो इनको हटाना मुश्किल था। इसके कारण हिंसा हुई और अंततरू दिल्ली में दंगे तक हो गए। मुसलमानों और दूसरे तत्वों को भड़काया गया कि आपकी नागरिकता चली जाएगी। आज तक किसी की नागरिकता नहीं गई। साफ है कि इसके पीछे देश में हिंसक अराजकता ही पैदा करने की कोशिश थी।

कृषि कानून विरोधी आंदोलन को देख लीजिए। उस आंदोलन में वास्तविक किसान भी थे लेकिन अराजक तत्व हावी रहे। दिल्ली को चारों ओर से घेरा गया। 26 जनवरी के दिन दिल्ली की सड़कों पर ट्रैक्टर ऐसे दौड़ रहे थे मानो हथियारबंद गाडियां हों। भारी संख्या में लोगों ने लाल किले पर चढ़कर पुलिस वालों को धक्के देकर नीचे गिराया। काफी संख्या में हमारे जवान घायल भी हुए। एक किसान नेता ने बाद में कहा कि थोड़ी गलती हो गई, संसद तक पहुंच जाते तो बंगलादेश उसी दिन दोहरा देते।

आप इस प्रकार के विचार और व्यवहार को क्या कहेंगे? अभी हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर से दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन हुआ। वहां नारे क्या लग रहे थे? कोई आजादी के नारे लगा रहा था, कोई 370 हटाने का विरोध, कोई शरजिल इमाम के चिकन नैक को काटने का समर्थन कर रहा था तो कोई मेरा लिंग मेरा अधिकार तो कोई समलैंगिकता को लेकर झंडा उठाए हुए था। जिस तरह प्रधानमंत्री के लिए शब्दों का इस्तेमाल हुआ और जैसे पोस्टर दिखाए गए, उनसे शर्म से सिर झुक जाए। उस आंदोलन में ऐसे तत्व शामिल थे, जो चेहरा ढंककर पत्थरबाजी कर रहे थे, पुलिस की गाडियां तोड़ रहे थे, पुलिस से मुठभेड़ कर रहे थे और अंततरू संसद मार्ग के नाम पर संसद की दीवार तक पहुंच गए।

यह सब छद्म रूप में माओवाद और नक्सलवाद ही है। आखिर मल्लिकार्जुन खरगे जैसे कांग्रेस अध्यक्ष और उनके पुत्र अगर सनातन का विरोध करते हैं तो इसका क्या अर्थ निकाला जाए? विडंबना देखिए कि आजकल ये सब कहते हैं कि हम भी हिंदू हैं और हिंदू धर्म पर हमारा भी विश्वास है और उस रूप में बातें की जाती हैं। राहुल गांधी ने तो फैजाबाद लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद कह दिया कि हमने अयोध्या आंदोलन को ही हरा दिया। सनातन को डेंगू, मलेरिया, विषाणु कहने वाले के विरुद्ध एक शब्द नहीं। कुछ कर्मचारियों द्वारा श्रीराम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसे निकृष्ट अपराध और पाप को ऐसे प्रस्तुत किया गया जैसे श्रीराम मंदिर के लिए काम करने वाली पार्टियों और संगठनों ने लूट मचाई है। ये सब विचार लोगों में केवल गुस्सा और अतिवादी भाव ही पैदा नहीं करते, मंदिर और धर्म में आस्था पर भी चोट पहुंचाते हैं।

आश्चर्य की बात है कि अपने कार्यकाल में नक्सलवादियों द्वारा सुरक्षा बलों की बारूदी सुरंग से हत्या या फिरछत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अधिकतम वरिष्ठ नेताओं को एक ही दिन में समाप्त करने जैसी घटनाओं के बाद जिस नक्सलवाद को चिदम्बरम ने आतंकवाद की संज्ञा देकर उसे समूल नाश करने का संकल्प लिया, वे आज ऐसी बातें बोल रहे हैं। विरोधी प्रधानमंत्री को कुछ भी कहें लेकिन उनकी चेतावनी सच है कि मानसिक नक्सलियों से भारत को हर दृष्टि से सुरक्षित बनाने के लिए सतर्क और सचेत रहना होगा। हमें विश्व शक्ति बनना है तो इन तत्वों को समाज की मुख्यधारा से बाहर करना ही होगा। यह संघर्ष ज्यादा कठिन है।

चादर से बाहर निकले पांव ही भ्रष्टाचरण की जड़

—रोहित कौशिक—

दरसअल, भ्रष्टाचार का मूल कारण लालच होता है। इंसान की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह लालच को छोड़ नहीं पाता है। ऐसा नहीं है कि अभाव के कारण ही लालच की प्रवृत्ति पैदा होती हैय जिन लोगों के पास सब कुछ होता है, वे भी लालची होते हैं। इसलिए लालच का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। ऐसे इंसान भी होते हैं जो गरीब होने के बावजूद दूसरों के कल्याण की बात सोचते हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे इंसान भी हैं जो अमीर होने के बावजूद इस हद तक लालची होते हैं कि उन्हें सिर्फ अपना स्वार्थ ही दिखाई देता है।

पहले अनपढ़ या कम शिक्षित लोगों ने सीमित संसाधनों में बड़े संयुक्त परिवारों की जिम्मेदारी उठाई। 'जितनी चादर हो, उतने पैर पसारो' मुहावरा चरितार्थ किया। तब समाज में लालच की भावना बहुत कम थी। समाज में पाप और पुण्य का भाव भी था। पूरे समाज में भ्रष्टाचार पर एक अजीब–सा खोखला आदर्शवाद पसरा हुआ है। भ्रष्टाचार पर बात करते हुए इंसान को स्वयं का भ्रष्टाचार नहीं दिखता है, लेकिन वह दूसरों के भ्रष्टाचार पर उंगली उठाता रहता है। भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर भाषणबाजी तो बहुत हो रही है, लेकिन हम भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए किसी भी तरह का प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक कदम आगे बढ़कर भ्रष्टाचार बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहे हैं।

सवाल यह है कि हमारे अंदर भ्रष्टाचार करने का भाव कैसे पैदा होता है? भ्रष्टाचार करते हुए हमें डर क्यों नहीं लगता है? क्यों हमारी आत्मा भ्रष्टाचार का विरोध नहीं करती है? ऐसा नहीं है कि हमें पता नहीं होता है कि भ्रष्टाचार करना गलत है, फिर हम क्यों भ्रष्टाचार के इस चक्रव्यूह में फंस जाते हैं?

दरसअल, भ्रष्टाचार का मूल कारण लालच होता है। इंसान की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह लालच को छोड़ नहीं पाता है। ऐसा नहीं है कि अभाव के कारण ही लालच की प्रवृत्ति पैदा होती हैय जिन लोगों के पास सब कुछ होता है, वे भी लालची होते हैं। इसलिए लालच का अमीरी या गरीबी से कोई सीधा संबंध नहीं है। ऐसे इंसान भी होते हैं जो गरीब होने के बावजूद दूसरों के कल्याण की बात सोचते हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे इंसान भी हैं जो अमीर होने के बावजूद इस हद तक लालची होते हैं कि उन्हें सिर्फ अपना स्वार्थ ही दिखाई देता है। निस्संदेह, समाज पहले की अपेक्षा ज्यादा प्रगतिशील हो गया है, लेकिन हमारे समाज में लालच की प्रवृत्ति भी बढ़ती जा रही है। इसका अर्थ यह है कि पढ़ाई–लिखाई और प्रगतिशीलता हमारे लालच को खत्म नहीं कर पाई है। इसलिए पहले से ज्यादा शिक्षित समाज में न केवल भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, बल्कि भ्रष्टाचार के नए–नए तरीके भी खोजे जा रहे हैं।

पुराने जमाने में लोग अनपढ़ या कम शिक्षित होते थे, लेकिन उस समय भ्रष्टाचार नहीं था। उस समय अनपढ़ या कम शिक्षित लोगों ने सीमित संसाधनों में बड़े–बड़े संयुक्त परिवारों की जिम्मेदारी उठाई थी। 'जितनी चादर हो, उतने पैर पसारो' मुहावरा उन दिनों सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया जाता था। यही कारण था कि समाज के अंदर लालच की भावना बहुत कम थी। समाज में पाप और पुण्य का भाव भी था, इसलिए लोग गलत काम करने से डरते थे। आज धार्मिक कर्मकांडों और धार्मिक क्रियाकलापों में लोगों की संलिप्तता तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है।

यह कटु सत्य है कि इस दौर में धर्म के नाम पर भी भ्रष्टाचार बढ़ा है। बड़े–बड़े मठाधीशों की जांच की जाए तो कई तरह के भ्रष्टाचार प्रकाश में आएंगे। अगर हम सच्चे अर्थों में धार्मिक हैं, तो हमारे मन में गलत भाव आने ही नहीं चाहिए। धार्मिक होने के बावजूद यदि हमारे मन में लालच पैदा हो रहा है, तो फिर हम धार्मिक कहां हुए? भ्रष्टाचार भी कई तरह के होते हैं। कुछ भ्रष्टाचार हमें ऊपर से दिखाई दे जाते हैं, लेकिन कुछ भ्रष्टाचार ऊपर से दिखाई नहीं देते हैं। हम अक्सर आर्थिक भ्रष्टाचार पर ही अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन एक नैतिक भ्रष्टाचार भी होता है। स्वयं यह देखा है कि यदि आप मंदिर में मुरमुरे का प्रसाद लेकर पंडित जी के पास जाते हैं, तो आपके साथ सामान्य व्यवहार होता हैय इसके विपरीत, यदि आप देसी घी के लड्डू प्रसाद के रूप में पंडित जी को सौंपते हैं, तो आपके साथ विशिष्ट व्यवहार किया जाता है। यह भेदभाव भी एक तरह का नैतिक कदाचार ही है।

हालांकि, चाहे आर्थिक भ्रष्टाचार हो या नैतिक भ्रष्टाचार, यह सब नैतिकता की कमी की वजह से ही होता है। यानी सतही तौर पर तो सब कुछ साफ–सुथरा लगता है, लेकिन साफ–सुथरी सतह के नीचे कई तरह की गंदगी छिपी होती है। जब यह गंदगी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तब इसका प्रभाव सतह पर दिखाई देने लगता है। यह आश्चर्यजनक ही है कि हम अपनी दैनिक जिंदगी में गंदगी को पसंद नहीं करते हैं और इससे दूर ही रहना चाहते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार रूपी गंदगी को स्वयं ही खुशी के साथ अपने जीवन में स्थान दे देते हैं। भ्रष्टाचार पर यह खोखला आदर्शवाद इस बात को सिद्ध करता है कि हम धन के लालच में गंदगी को भी स्वीकार कर लेते हैं। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ काफी उपदेश देते रहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ समाज में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता रहता है यानी हमने भ्रष्टाचार के साथ रहने की आदत बना ली है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह समाज वास्तव में भ्रष्टाचार खत्म करना चाहता है या फिर भ्रष्टाचार के साथ ही जीना चाहता है?

जब हमसे कोई इंसान सुविधा शुल्क के रूप में रिश्वत वसूलता है, तो हमें बुरा लगता है और अपने अधिकार याद आने लगते हैं। इसके विपरीत, जब हम किसी दूसरे इंसान से रिश्वत वसूलते हैं, तो हमें अपना कर्तव्य याद नहीं रहता। यानी दूसरों के भ्रष्टाचार पर तो हम भ्रष्टाचार करने वाले इंसान को पापी बताकर उपदेश देने लगते हैं, लेकिन अपने भ्रष्टाचार पर चुप्पी साध लेते हैं। यह सुविधाजनक चुप्पी ही इस समस्या की असली जड़ है।

बुर्के में हिंदू छात्राओं को डांस कराने वाला स्कूल सील

संवाददाता—गोंडा। स्वतंत्रता दिवस पर बुर्का पहनकर हिंदू छात्राओं के डांस करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। वीडियो सामने आने के बाद मुस्लिम और हिंदू समुदाय के लोगों ने इसका विरोध जताया। रविवार शाम को इसका वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया। बीएसए के आदेश पर 12वीं तक चल रहा स्कूल बिना मान्यता के मिला। सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे बीईओ ने जांच की। मान्यता के कागज न दिखाने में स्कूल को तत्काल सील कर दिया गया। बीईओ खुद मार्केट से ताले खरीदकर लाए। स्कूल प्रिंसिपल के केबिन समेत तीन गेटों पर ताले लगाए। मामला खोंडारे थाना क्षेत्र का है। स्वतंत्रता दिवस पर शनिवार दोपहर 2 बजे औसनी बुजुर्ग स्थित नॉलेज बीम एकेडमी में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें छात्राओं ने अलग—अलग थीम पर परफॉर्मेंस दी। कार्यक्रम में 4—5 हिंदू छात्राओं ने बुर्का पहनकर डांस किया। इसका किसी ने वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसमें छात्राएं भोजपुरी और फिल्मी गानों पर स्टेज पर डांस करती नजर आ रही हैं। छात्राओं ने भोजपुरी गाने 'लगाई दिही चोलिया के हुक राजाजी' और 'गुलाब जइसन खिलल बाड़ू पर डांस किया। इसके अलावा हरियाणवी गाने 'तेरी आंख का यो काजल' और बॉलीवुड गाने 'फेविकॉल' पर भी परफॉर्मेंस दी। वीडियो वायरल होने पर मामले का विरोध होने लगा। ठै। अमित कुमार सिंह ने ठम्ब् रियाज अहमद को मामले की जांच के आदेश दिए। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद स्कूल मैनेजर ने माफी मांग ली। कहा— कार्यक्रम का मकसद केवल मनोरंजन करना था। अगर इससे किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं क्षमा चाहता हूं।

सोमवार दोपहर करीब दो बजे ठम्ब् रियाज अहमद टीम के साथ स्कूल की जांच करने पहुंचे। जांच में पाया गया कि स्कूल बिना मान्यता के चल रहा था। बीईओ के मुताबिक, एक सप्ताह पहले ही स्कूल को बंद करने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद वह संचालित हो रहा था। बिना मान्यता के संचालन पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से प्रबंधक कार्यालय, प्रिंसिपल कार्यालय और मुख्य गेट पर ताला लगाकर विद्यालय को सील कर दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी रियाज अहमद ने इस पूरे मामले की रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह को भेज दी है।

कड़र मंदिर में 33 हजार पार्थिव शिवलिंगों पूजन 25 से

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 3 दिवसीय श्रावण महापर्व उत्सव को दिव्यता से सम्पन्न कराने के लिए एक तैयारी बैठक अध्यक्ष राजेश मिश्र की अध्यक्षता में कड़र मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 25, 26 और 27 अगस्त तक श्री कर्णेश्वर नाथ महादेव मंदिर 'कड़र मंदिर' परिसर में अनुष्ठान सम्पन्न होगा। इस धार्मिक अनुष्ठान में कुल 33 हजार पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण और पूजन किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान के साथ—साथ इस 3 दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 'श्रीरामचरितमानस सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न हिस्सों से आए प्रखर वक्ताओं द्वारा श्रीरामचरितमानस के विभिन्न पावन प्रसंगों पर अपनी सुंदर प्रस्तुतियां और व्याख्यान दिए जाएंगे।

इस वर्ष उत्सव में धार्मिक आयोजन के साथ—साथ सामाजिक चिंतन को भी जोड़ा गया है। कार्यक्रम के दौरान 'सनातन धर्म और वर्तमान समय की शिक्षा और मूल्य' विषय पर एक विशेष परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही, समाज व शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले विद्यालय के मेधावी छात्र—छात्राओं, सम्मानित प्रबंधकों, पूजनीय पुरोहित वर्ग एवं विशिष्ट धार्मिक व्यक्तित्वों का पावन सानिध्य प्राप्त होगा और उन्हें सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से अरुण भारती, ओम प्रकाश ठाकुर, शैलेष कुमार श्रीवास्तव (एडवोकेट), सौरभ कुमार बोस, सौरभ मिश्र (एडवोकेट), संतोष मिश्रा, विशाल पाण्डेय, राहुल मिश्रा और आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, राकेश चंद्र श्रीवास्तव, अजीत कुमार शुक्ल, अजय पटेल, विंध्यवासिनी त्रिपाठी, सौरभ तिवारी, राजेन्द्र कुमार गोंड , नंद कुमार मिश्र, रमेश मिश्रा आदि शामिल रहे।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम—11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा—12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना अदालत—श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद संख्या—1468/2021

थाना—परसुरामपुर

जिला—बस्ती

किरन आदि

बनाम

सुनील आदि

1. सुनील उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र बाबूराम (पति) 2. बाबूराम पुत्र अज्ञात (ससुर) 3. रामकली पत्नी बाबूराम (सास) निवासीगण ग्राम भेलखा पोस्ट मण्डप थाना छपिया जिला गोण्डा

—विपक्षीगण/प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 12—09—2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा— 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 12 मास 09 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

बाढ़ का खतरा, डीएम प्रियंका निरंजन ने बाढ़ चौकियों का लिया जायजा

संवाददाता—गोंडा। घाघरा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में एक बार फिर चिंता बढ़ने लगी है। नदी के बढ़ते पानी को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी निगरानी तेज कर दी है। सोमवार शाम करीब 5 बजे जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन अचानक करनैलगंज तहसील के बाढ़ प्रभावित गांव नकहरा पहुंचीं। उन्होंने गांव में पहुंचकर हालात देखे और ग्रामीणों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं।

इसके बाद डीएम ने बाढ़ चौकी गौरा सिंहनापुर का भी निरीक्षण किया। उनके साथ करनैलगंज एसडीएम कुमार सत्यम जीत, आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव समेत जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ की स्थिति में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। राहत और बचाव से जुड़े सभी इंतजाम पहले से तैयार रखे जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों तक तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

डीएम ने नकहरा गांव में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर पूछा कि बढ़ते जलस्तर से उन्हें किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और किन सुविधाओं की जरूरत है।ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद डीएम ने संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों की परेशानी को प्राथमिकता से लिया जाए। किसी भी शिकायत को टालने के बजाय तत्काल उसका समाधान कराया जाए। गौरा सिंहनापुर की बाढ़ चौकी का निरीक्षण करते हुए डीएम ने राहत और बचाव की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभावित बाढ़ को देखते हुए सभी जरूरी संसाधन पहले से तैयार रखें।डीएम ने कहा कि अगर जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए राहत और बचाव से जुड़े सभी इंतजाम दुरुस्त रखे जाएं।

डीएम ने एसडीएम करनैलगंज, एक्सईएन बाढ़ खंड और जिला आपदा विशेषज्ञ समेत अन्य अधिकारियों को अपने—अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सिर्फ कार्यालय में बैठकर स्थिति की निगरानी न करें, बल्कि बाढ़ प्रभावित गांवों में जाकर जमीनी हालात देखें। उन्होंने जलस्तर और नदी से जुड़ी परिस्थितियों पर लगातार नजर रखने को कहा। किसी भी तरह की आपात स्थिति सामने आने पर सूचना तुरंत उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान डीएम ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन घाघरा के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर रख रहा है। बाढ़ की स्थिति बिगड़ने पर प्रभावित लोगों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव की तैयारियों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी संबंधित विभागों के कर्मचारी क्षेत्र में लगातार मौजूद रहें और किसी भी समस्या की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करें।

शिवालयों में उमड़ी आस्था, हर-हर महादेव से गूंजा जिला

संवाददाता—महराजगंज। सावन के तीसरे सोमवार व नागपंचमी के पावन संयोग पर सोमवार को जिले भर के शिवालय हर—हर महादेव के जयघोष से गूंज उठे। भोर होते ही मंदिरों के कपाट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। हाथों में गंगाजल, दूध, लावा, बेलपत्र, धतूरा और फूल लिए शिवभक्त बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए मंदिरों की ओर उमड़ पड़े। जैसे—जैसे दिन चढ़ता गया, शिवालयों में आस्था का रंग और गाढ़ा होता गया। भारत—नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध इटहिया मिनी बाबा धाम में सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। महराजगंज, निचलौल, गड़ौरा समेत आसपास के गांवों के अलावा दूर—दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भोर से ही मंदिर परिसर में दर्शन व जलाभिषेक के लिए लंबी कतार लग गई। श्रद्धालु कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे और बाबा के जयकारे लगाते रहे। घंटा की गूंज, हर—हर महादेव और बोल बम के उद्घोष से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। शिवभक्तों ने बाबा भोलेनाथ का दूध, गंगाजल और लावा से अभिषेक किया। बेलपत्र, धतूरा, पुष्प व अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर परिवार की सुख—समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इटहिया मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को लाइन लगाकर दर्शन कराया गया। पुलिस व प्रशासनिक कर्मी भीड़ नियंत्रण के साथ ही आसपास की यातायात व्यवस्था संभालते रहे। नगर के सिंचाई कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में भी भोर से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। महिला, पुरुष, युवा व बच्चे कतार में लगकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते नजर आए। श्रद्धालुओं ने दूध, लावा, बेलपत्र, धतूरा व पुष्प अर्पित कर पूजा—अर्चना की। कटहरा शिव मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। सावन की सोमवार व नागपंचमी के संयोग से मंदिरों में दिनभर भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा।

सावन झूलनोत्सव में गूंजे कजरी और पद, मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी में 13 दिवसीय सावन झूलनोत्सव का उल्लास नागपंचमी के साथ चरम पर पहुंच गया है। श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया से आरंभ हुआ झूलनोत्सव अब अयोध्या के मंदिरों से लेकर गलियों तक अपनी अनुपम छटा बिखेर रहा है। सोमवार को नागपंचमी पड़ने से उत्सव का रंग और चटक हो उठा। सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला रामनगरी में उमड़ता रहा।भक्तों ने मां सरयू में स्नान कर हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि, कनक भवन समेत प्रमुख मंदिरों में दर्शन—पूजन किया। शाम होते ही मंदिरों में सजे झूले श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गए। देश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर कजरी और सावन के लोकगीतों से गूंजते रहे। दूर—दराज गांवों से आई माताएं—बहनें भी मेले की ओर जाते हुए लोकगीत गुनगुनाती दिखाई दीं। इन गीतों में आज भी अयोध्या की लोक संस्कृति की जीवंत

धड़कन सुनाई दे रही है।

शाम ढलते ही मंदिरों में युगल सरकार के मनोहारी श्रृंगार के बाद उन्हें हिंडोले पर विराजमान कराया गया। ठाकुरजी को झूला झुलाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्री कनक बिहारी सरकार परिसर स्थित श्रीलाल साहब दरबार में सजी भव्य झांकी विशेष आकर्षण बनी हुई है। श्रावण तृतीया से आरंभ हुई यह झांकी प्रतिदिन नए स्वरूप में श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।श्रीलाल साहब सरकार मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश शरण महाराज के संयोजन में चल रहे झूलनोत्सव में आध्यात्मिक संगीत की सुरमयी धारा बह रही है। कलाकारों ने "सिय के सजन को झुलाय लियो रे सजनी, सावन बितल चली जाय. .." तथा "हे रघुनंदन जनमन रंजन, अलबेले सरकार हिंडोले झूलो नाथ. .." जैसे पदों की प्रस्तुति दी। "सदा झूलो मेरे दिलवर, बढ़े उत्साह नया, जियो युग—युग प्रिया—प्रितम, यही है चाह नया..." जैसे पदों ने वातावरण को भावमय बना दिया। पदों की मधुर तान, झांकी की अलौकिक छटा और भक्ति संगीत की अविरल धारा में श्रद्धालु देर तक डूबे रहे।

इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि धर्मार्थ सेवा समिति के सदस्य अधिकारी राजकुमार दास महाराज के संयोजन में श्रीराम वल्लभ कुंज में भी झूलन महोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया जा रहा है। श्रद्धालु यहां भी झूलनोत्सव का आनंद ले रहे हैं।कनक भवन, मणिराम दास की छावनी, बड़ा स्थान, दशरथ महल, रामवल्लभा कुंज, वेदांती मंदिर, रंगमहल और रंगवाटिका सहित रामनगरी के प्रमुख मंदिरों में झूलनोत्सव की धूम है।

खेत के बाड़ में प्रवाहित करंट की चपेट में आई महिला, मौत

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम रजौड़ा पंजुम के दर्शन टोले पर सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। जानवरों से फसलों को बचाने के लिए खेत में लगे तार—बाड़ में उतरे करंट की चपेट में आने से मायके आई एक 47 वर्षीया महिला की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद कोहराम मच गया। परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल हो गया है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी।रजौड़ा पंजुम के दर्शन टोला निवासी रामकृपाल की पुत्री सुशीला की शादी गोरखपुर के बड़हलगंज क्षेत्र के धुबवली निवासी लक्ष्मन सिंह के साथ हुई थी। नागपंचमी के अवसर पर सुशीला अपने मायके आई थी। सोमवार को वह किसी काम से बाहर निकली और वहीं पास के एक किसान के खेत में जंगली जानवरों से बचाव के लिए लगाये गये बाड़ से सट गई। तार—बाड़ बिजली से जुड़ा था। तार—बाड़ में उतरे करंट की चपेट में आकर वह वहीं गिरकर तड़पने लगी। बुरी तरह तड़पती सुशीला को देखकर पास मौजूद एक महिला उसे बचाने दौड़ी तो उसको भी करंट का जोरदार झटका लगा। इसके बाद वह महिला वहीं जोर—जोर से चिल्लाने लगी। उसका शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में सुशीला को आनन—फानन में पनियरा के एक प्राइवेट अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां से उसे मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज ले जाते समय उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। मृतका के दो पुत्र सत्यम (22), शिवम् (20) व दो पुत्रियां शालू (26), छोटी (24) वर्ष हैं। दोनों पुत्रियों व एक बड़े पुत्र की शादी हो चुकी है। पति मुम्बई में रहकर पेंट पालिस का काम करता है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर चोर गिरफ्तार, एक गोली लगने से घायल, दो आरोपित मौके से फरार

संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा कोतवाली पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने रविवार की रात मुठभेड़ में चोरी की योजना बना रहे दो आरोपितों को दबोच लिया। एक के पैर में गोली लगी है। दो भागने में सफल रहे। बचाव के दौरान गिरने से एक आरक्षी भी घायल है। टीम ने इलाज के लिए इन्हें भिनगा सीएचसी में भर्ती कराया गया है। आरोपितों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, खोखा समेत चोरी के जेवर व रुपये बरामद हुए हैं।

एसपी राहुल भाटी ने बताया कि रात में भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह टीम के साथ भ्रमणशील थे। इसी दौरान सूचना मिली कि भिनगा जंगल में अंटा तिराहे से जानकीनगर जाने वाले रास्ते पर कुछ लोग चोरी की योजना बना रहे हैं। भिनगा पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने आरोपितों की घेराबंदी की। एक आरोपित ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया।

इससे बचाव करते हुए आरक्षी प्रवीण पांडेय गिरकर घायल हो गए। टीम ने आत्मरक्षा में फायरिंग की तो भिनगा क्षेत्र के वर्गावर्गी के गोबार निवासी आरोपित मंगरे प्रसाद के पैर में गोली लगी। टीम ने उसे व भिनगा नगर के हनुमानगढ़ी निवासी आरोपित लूची को गिरफ्तार किया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो आरोपित फरार हो गए। पूछताछ में आरोपित लूची ने फरार आरोपित हनुमानगढ़ी के गिरीश बहेलिया व गोबार निवासी शिवकुमार जायसवाल उर्फ दुबे के बारे में जानकारी दी। इनकी तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई है। घायल आरक्षी व आरोपित का इलाज भिनगा सीएचसी में चल रहा है। एएसपी चंद्रकेश सिंह व सीओ भरत पासवान ने अस्पताल पहुंचकर घायल आरक्षी व आरोपित के स्थिति की जानकारी ली।

फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किया है। आरोपितों के कब्जे से तमंचा 315 बोर, दो कारतूस, दो खोखा, चाकू तथा भिनगा कोतवाली, सिरसिया व सोनवा थाना क्षेत्र से चोरी किए गए जेवर, रुपये, कपड़े व अभिलेख बरामद हुए हैं।

बाढ़ से बचाव के लिए हर संभव तैयार रहें— डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। मानसूनी बारिश और राप्ती नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए संभावित बाढ़ की आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड़ पर है। जिसके तहत जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने तहसील जमुनहा के लक्ष्मन नगर स्थित किसान डिग्री कालेज में बनाए गए बाढ़ शरणालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शरणालय में आपदा प्रभावितों के ठहराव, सुरक्षा, स्वास्थ्य और खान—पान की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद उपजिलाधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को असुविधा नहीं होनी चाहिए। शरणालय में शुद्ध पेयजल के लिए टैंकरों एवं क्लोरीन गोलियों की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। शरणालय में चौबिसों घण्टे प्राथमिक चिकित्सा टीम, जीवन रक्षक दवाएं, सर्पदंश के टीके और ओआरएस के पैकेट उपलब्ध रहें। शरणालय में रुकने वाले बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण पके भोजन, सूखा राशन (लाई, चना, गुड़, बिस्कुट) और निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए जनरेटर एवं आपातकालीन लाइटों का प्रबंध करने का निर्देश दिया। मवेशियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, पशु चारा और आवश्यक टीकाकरण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और आपदा कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय है। किसी भी आपात स्थिति में सीधे जिला प्रशासन या आपदा हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी जमुनहा रवि प्रताप सिंह, तहसीलदार जमुनहा, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनपदीय कुश्ती प्रतियोगिता सम्पन्न, मण्डलीय प्रतियोगिता के लिए आठ का चयन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज रायठ में सोमवार को जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण कर किया।

प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से करीब 20 खिलाड़ियों ने अलग—अलग आयु एवं भार वर्गों में प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए शानदार मुकाबले किए। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर आठ खिलाड़ियों का चयन मंडलीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अशोक इंटर कॉलेज छावनी के सुलेमान और किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज के श्यामसुंदर के बीच हुआ, जिसमें सुलेमान विजयी रहे। दूसरे मुकाबले में सिद्धार्थ ने अरुण को हराकर जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में मोहम्मद कैफ और मोहम्मद आरिफ के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें मोहम्मद आरिफ को विजेता घोषित किया गया। पूरी प्रतियोगिता में अशोक इंटर कॉलेज छावनी के खिलाड़ियों का दबदबा रहा और विद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज रायठ की टीम द्वितीय स्थान पर रही। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजक विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राकेश कुमार ने किया।

प्रतियोगिता जनपदीय क्रीड़ा समिति के सदस्य प्रभाकर ओझा एवं सुरेंद्र कुमार शुक्ला की देखरेख में संपन्न हुई। निर्णायक की भूमिका मक्खन लाल, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बनकटी तथा जितेंद्र कुमार वरुण, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक रुधौली ने निभाई।

इस अवसर पर अजय कुमार राव, डॉ. राम हरीश मौर्य, नागेंद्र प्रताप सिंह, बुशरा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, खेल प्रेमी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने शव को सड़क किनारे रखकर किया प्रदर्शन

संवाददाता—कुशीनगर। पडरौना नगर स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। मौत से आक्रोशित परिजनों ने पडरौना—जिला मुख्यालय मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही और अधिक रकम वसूलने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा—बुझाकर जाम खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कराई। मृतक की पहचान बिहार के धनहा निवासी अंगिरा चौहान (30) पत्नी चतुरी चौहान के रूप में हुई है। बताया गया कि कुछ दिन पहले वह आधार कार्ड बनवाने के लिए पडरौना आई थीं। वापस लौटते समय बाइक से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लग गई थी। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। गंभीर हालत में उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। वहां से भी चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज से रेफर किए जाने के बाद जिला अस्पताल में मौजूद एक निजी अस्पताल के एजेंटों ने बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया। इसके बाद महिला को दोबारा पडरौना के सरस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

महिला की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव को सड़क किनारे रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने से इनकार कर दिया। परिजनों की मांग थी कि जिलाधिकारी मौके पर पहुंचें और संबंधित अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सील किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रातभर इलाज के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली गई। जाम की सूचना पर कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी और सुभाष चौक पुलिस चौकी प्रभारी अमित सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुल सका। महिला की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। अंगिरा चौहान की दो मासूम बेटियां हैं। मां की मौत से उनका रो—रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि महिला की इलाज के दौरान मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिटी पब्लिक स्कूल में उल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सिटी पब्लिक स्कूल गनेशपुर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायरेक्टर उदय शंकर शुक्ला द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रिया शुक्ला एवं मैनेजर अमित शुक्ला के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने दो प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किए। पहले नाटक में सोशल मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभावों को मार्मिक ढंग से दर्शाया गया, जबकि दूसरे नाटक में समाज में फैलते नशे के दुष्परिणामों तथा उससे मुक्ति का प्रेरणादायक संदेश दिया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में आयशा, आयत एवं आस्था ने बुमरो बुमरो गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं अर्पिता, श्रद्धा एवं संध्या ने देशभक्ति गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का हृदय जीत लिया। इसके अतिरिक्त सुमित, आयुष, शिवांश, अखिलेश, प्रिंस, साबरीन, आराध्या, खुशी, मनीषा सहित अनेक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। आयोजन को विद्यालय की कुशल शिक्षिकाओं परवीन, तन्वी, मोहिनी, अनामिका, ज्योति, पूजा, पूनम, सुनाली, कीर्ति एवं अन्य शिक्षकों के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न कराया गया।

युवाओं को माफिया से बचाना जरूरी, भविष्य खराब करने वालों के खिलाफ सरकार कर रही सख्त कार्रवाई –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय प्राइजमनी कुश्ती प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल के जरिये विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों के एजेंडे में खेल और युवा नहीं थे। युवाओं के हित में काम करने के बजाय उनका दुरुपयोग किया गया। उन्हें माफिया के हवाले कर दिया गया। आज युवा शक्ति को माफिया प्रवृत्ति से बचाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा माफिया हो, खेल माफिया, नकल माफिया या ड्रग माफिया, किसी भी रूप में युवा के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में खेल संस्कृति बदली है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया, सांसद और विधायक खेलकूद प्रतियोगिताओं और ग्रामीण लीग के माध्यम से युवाओं को खेलों से जोड़ा जा रहा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को नौकरी दे रही है। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है और अगले एक माह में 500 और खिलाड़ियों को नौकरी देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि सरकार हर गांव में खेल मैदान, हर विकासखंड में मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने के साथ खेलों का मजबूत इकोसिस्टम तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे के साथ स्मार्टफोन की लत से भी सावधान किया। उन्होंने कहा कि युवा यदि प्रतिदिन एक घंटा भी शरीर के लिए दें तो स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क के साथ देश को मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने निजी खेल अकादमियों और पुराने अखाड़ों को भी सरकारी सहयोग देने की बात कही। साथ ही कहा कि प्रदेश की नई युवा नीति जल्द आने वाली है और हर जिले में स्किलिंग एवं रोजगार जोन विकसित किए जाएंगे।

भाइयों संग झूला झूले रामलला, लक्ष्मण के शेषावतार की पूजा, नागपंचमी पर अयोध्या में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता–अयोध्या। नागपंचमी और श्रावण मास के तीसरे सोमवार के अवसर पर रामनगरी अयोध्या में सोमवार को आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीराम ने अपने तीनों भाइयों और अर्द्धांगिनी माता सीता के साथ रजत हिंडोले पर झूला विहार किया। रामलला के इस मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। विशेष दर्शन कर भक्त भावविभोर हो उठे और पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंजता रहा। रामलला के झूलनोत्सव का आयोजन विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक उल्लास के बीच हुआ। श्रद्धालु प्रभु श्रीराम और उनके अनुजों को झूला झुलाते हुए भक्ति में लीन नजर आए। रामभक्तों ने भगवान के विशेष श्रृंगार के दर्शन किए और सुख–समृद्धि की कामना के साथ आस्था निवेदित की।

रामनगरी में नागपंचमी के अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य मंदिर और परकोटे की दक्षिणी भुजा के मध्य स्थित शेषावतार मंदिर भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। यहां लक्ष्मण जी के शेषावतार स्वरूप की विशेष पूजा–अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शेषावतार की आराधना हुई। नागपंचमी और श्रावण के तीसरे सोमवार के एक साथ पड़ने से सुबह से ही रामनगरी के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

झूलनोत्सव का सबसे खास पहलू यह रहा कि राम मंदिर के करीब पांच सौ साल के इतिहास में पहली बार विराजमान रामलला अपने महल से निकलकर कुबेर टीला पर झूला विहार के लिए पहुंचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर संतों और श्रद्धालुओं ने अनुजों संग झूले पर विराजित रामलला को झूला झुलाया। भावुक संतों और भक्तों की आंखें नम हो गईं। झूलनोत्सव के दौरान शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियों और मधुर अलाप ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संगीतज्ञों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु भी भाव–विभोर होकर झूमते नजर आए।

उत्सव में मधुर उपासना परंपरा के आचार्यों द्वारा रचित पदों का गायन किया गया। इनमें अधिकांश पद युगल सरकार भगवान श्रीसीताराम को केंद्र में रखकर रचे गए थे। रामलला के तीनों अनुजों के साथ झूलन में विराजित स्वरूप के मुखोल्लास के लिए विशेष पदों का चयन किया गया। हनुमत निवास के महंत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण के संशोधन के बाद इन पदों का गायन हुआ। संगीतज्ञ सुमधुर शास्त्री के निर्देशन में आचार्य राधेश्याम दास, पंडित राम विनोद शरण व्यास और विवेकानंद पाण्डेय ने प्रस्तुति दी। मृदंग पर पंडित अभयराम दास और वैभव राम दास तथा तबले पर राम प्रिया शरण ने संगत कर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

इस ऐतिहासिक झूलनोत्सव के साक्षी राम मंदिर ट्रस्टी एवं निर्मोही अखाड़ा महंत दिनेंद्र, अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन, मणिराम छावनी के महंत कमलनयन दास, राम कथा कुंज के महंत सत्यनारायण दास, श्रीराम वल्लभा कुंज के अधिकारी स्वामी राजकुमार दास और व्यवस्थापक आचार्य इंद्रदेव मिश्र समेत अन्य संत–महंत और श्रद्धालु बने।

नागपंचमी पर पुतली पीटने के बाद पोखरे में नहाने गए तीन बच्चों की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। नाग पंचमी के पर्व पर रविवार को बदौली बाबू गांव में उस समय मातम पसर गया, जब पुतली पीटने की रस्म के बाद पोखरे में नहाने गए तीन बच्चे गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में हरीश (11), सचिन (14) और अनुज (9) की मौत हुई है। बताया गया कि नाग पंचमी के अवसर पर गांव के बच्चे पोखरे के पास पुतली पीटने की रस्म में शामिल थे। इसी दौरान कुछ बच्चे पोखरे में नहाने लगे। नहाते समय तीन बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को डूबता देखकर मौके पर चीख–पुकार मच गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विकास सिंह बच्चों को बचाने के लिए पोखरे में उतर गए। उन्होंने ग्रामीणों के साथ काफी देर तक पानी में बच्चों की तलाश की। तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही तहसीलदार सुशील कुमार भारतीय, नायब तहसीलदार राकेश शुक्ला, सीईओ अनुज कुमार सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी विकास सिंह भदौरिया समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से जानकारी ली। बांसगांव विधायक डॉ. विमलेश पासवान ने भी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया। हरीश के पिता राधेश्याम यादव दुबई में नौकरी करते हैं। परिजनों के अनुसार काफी मन्नतों के बाद हरीश का जन्म हुआ था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन है। सचिन कक्षा छह में पढ़ता था, जबकि नौ वर्षीय अनुज कक्षा तीन का छात्र था। सचिन के पिता सूरत में मजदूरी करते हैं और अनुज के पिता गुजरात में पेंट–पॉलिश का काम करते हैं। तीनों बच्चों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है।

सावन के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक के लिए शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पावन सावन माह के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। नाग पंचमी का पर्व भी आज ही होने के कारण अभिषेक करने वालों की संख्या अन्य सोमवार की अपेक्षा काफी ज्यादा रही। ऐतिहासिक एवं पौराणिक शिव मंदिर तामेश्वर नाथ धाम में देर रात से ही बाबा तामेश्वरनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हरर–हर महादेवश और श्वम–बम भोलेश के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। शिवभक्तों का उत्साह ऐसा था कि रविवार देर रात से ही मंदिर परिसर के बाहर लंबी–लंबी लाइनें लगनी शुरू हो गई थीं। मंदिर परिसर में बने पोखरे के चारो तरफ शिव भक्तों जमवाड़ा देखने को मिला। आसपास के जिलों के साथ–साथ दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार किया। जैसे ही भोर में मंदिर के कपाट खुले, श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग और धतूरा चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और सुख–समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। मंदिर परिसर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। भीड़ पर नियंत्रण रखने और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की गई। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग कर अलग–अलग कतारों की व्यवस्था की गई थी ताकि जलाभिषेक सुगमता से हो सके। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। जलाभिषेक शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई थी।

महिला कर्मचारी से मोबाइल छीनने वाले 2 गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज की एक महिला कर्मचारी से मोबाइल छीनने की वारदात का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से छीना गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने 17 अगस्त को यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंजीत पुत्र काशीराम, निवासी आजाद नगर, थाना बांसी, जनपद सिद्धार्थनगर और गणेश पुत्र कृष्ण मौर्या, निवासी टेगड़र नगर, थाना बांसी, जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। मेडिकल कॉलेज में कार्यरत महिला कर्मचारी अपनी ड्यूटी पूरी कर घर लौट रही थीं। महिला थाना से लगभग 50 मीटर पहले, जब वह मोबाइल की टॉर्च जलाकर जा रही थीं, तभी पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश पीछे से आए और उनका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। महिला के पति धर्मेंद्र सिंह पुत्र प्रकाश सिंह, निवासी शिवपुर, थाना गौर, जिला बस्ती ने पुलिस को तहरीर दी थी। इसके आधार पर 15 अगस्त 2026 को शाम 6:36 बजे मुकदमा दर्ज किया गया। घटना स्थल थाना सिद्धार्थनगर से लगभग 2.5 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम दिशा में था।

पुलिस मुठभेड़ मे दो चेन स्नेचर गिरफ्तार, दोनों के पैर में लगी गोली

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट इलाके में रविवार देर रात पुलिस और चेन स्नेचरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पैडलेगंज के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में कांस्टेबल भूपेंद्र यादव भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां दोनों आरोपियों का पुलिस की निगरानी में उपचार चल रहा है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गगहा क्षेत्र के देउरवीर गांव निवासी अजय उर्फ मंगरु और बेलीपार क्षेत्र के कसिहार निवासी संजय के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों कई चेन स्नेचिंग की वारदातों में शामिल रहे हैं। उनके कब्जे से छिनैती की दो चेन, वारदात में इस्तेमाल बाइक, दो देशी तमंचे, दो खोखे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसपी सिटी निमिष पाटील के मुताबिक, दोनों आरोपियों की रविवार देर रात करीब दो बजे शहर में लोकेशन मिली थी।

वे दोबारा वारदात करने की तैयारी में थे। मुखबिर की सूचना पर कैंट पुलिस, एंटीथेफ्ट सेल और सर्विलांस टीम ने पैडलेगंज के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान बाइक से जा रहे दो युवकों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। इसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया। मुठभेड़ के दौरान कांस्टेबल भूपेंद्र यादव को भी चोट आई। एसपी सिटी के अनुसार, पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, दोनों बदमाश कैंट थाने में दर्ज दो चेन स्नेचिंग के मामलों में वांछित थे। 20 जुलाई 2026 एक महिला अपने पति के साथ सब्जी लेने जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार आरोपियों ने उसके गले से चेन छीन ली और फरार हो गए। महिला की तहरीर पर कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं, 29 जुलाई 2026 सुबह टहलने निकली महिला के गले से आरोपियों ने चेन छीन ली थी। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मुठभेड़ को लेकर एक अन्य अभियोग भी दर्ज किया गया है। देउरवीर निवासी अजय उर्फ मंगरु के खिलाफ गोरखपुर के विभिन्न थानों में कुल सात मुकदमे दर्ज हैं। इनमें कैंट थाने के लूट और चेन स्नेचिंग से जुड़े मामले, गोला थाने का मामला, गगहा थाने में गोवध निवारण अधिनियम से जुड़ा मुकदमा और खजनी थाने में आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं का मामला शामिल है। कसिहार निवासी संजय के खिलाफ विभिन्न थानों में कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें बेलीपार, खजनी, बांसगांव, चौरीचौरा और खोराबार थानों में दर्ज मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट, चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। कैंट थाने के दोनों चेन स्नेचिंग के मुकदमे भी उसके आपराधिक इतिहास में शामिल किए गए हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–646/2003
म0 विवेकदास
बनाम
मथुरा प्रसाद
4/1 घनश्याम 4/2 रामजीत 4/3 श्यामसुन्दर पुत्रगण रामवेलास निवासीगण ग्राम बरगदवा तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 21–08–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
राजाराम आदि
बनाम
दीनबन्धु आदि

1– दीनबन्धु पुत्र नन्दा 2– गंगादीन पुत्र राम समुझ 3– सत्यभामा पत्नी राम समुझ. 4– पार्वती पत्नी कपिल 5– मनीष 6– अनीष पुत्रगण रामबेलास 7–प्रदीप 8. रिंक 9. संदीप 10– सूरज पुत्रगण शेषनाथ 11– माधुरी पत्नी शेषनाथ 12– रामकरन पुत्र सोहरत 13– रुदल 14– सुग्रीम पुत्रगण धनई 15– हरीराम पुत्र दूबर 16– विन्दा पुत्र रामगरीब 17–सुनील पुत्र राम गरीब 19– शारदा पत्नी राम गरीब 19– गुजराती पत्नी राधेश्याम 20– बगेदू 21– नान्हू 22– राम सवारे पुत्रगण मुन्नीलाल 23– इन्द्रजीत पुत्र कुमारे 24– सुगते 25– मिठाई पुत्रगण सुमेर 26– पुल्लर 27– श्रीकान्त 28– टासे पुत्रगण भग्गन साकिनान टड़वा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब, संतकबीरनगर 29– ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिए ग्राम प्रधान टड़वा तप्पा व तह० मेहदावल संतकबीरनगर 30– ग्राम पंचायत अध्यक्ष जरिए ग्राम प्रधान परसा पाण्डेय तप्पा मेंहदावल संतकबीरनगर 31– नगर पंचायत अध्यक्ष क्षेहदावल तप्पा व तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 27–08–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 29 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सबा अंजुम पुत्री मोहम्मद शफीक शेख है। मैं ग्राम व पोस्ट– सल्टौआ गोपालपुर, थाना सोनहा, तहसील मानपुर जिला बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी हूँ। मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में अंकित नाम व जन्म तिथि (01–12–2004) सही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
वाद सं0–T202617650207198/2026
धारा 116 उ0प्र0 रा0सं0–2006
आशा देवी आदि
बनाम
रामजनक आदि

1–रामजनक उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र बीरबली साकिन–दानोकुइयाँ, तप्पा–उजियार, परगना मगहर पूरब, तहसील–खलीलाबाद, जनपद–सन्त कबीर नगर

– प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2–अध्यक्ष भूमि प्रबंधक समिति ग्रास पंचायत दानोकुइयाँ, तप्पा–उजियार, परगना–मगहर पूरब, तहसील–खलीलाबाद, जनपद–सन्त कबीर नगर

– प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 25–08–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 08 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) जिला संतकबीरनगर
वाद सं0– 745/2010
शिवनाथ सिंह
बनाम
गंगा सिंह आदि

1. गंगा सिंह उम्र 50 साल मृतक दौरान मुकदमा 2. शैलेन्द्र सिंह उम्र 45 साल पुत्रगण जोखू सिंह साकिनान मौजा अनई, तप्पा ऊन, परगना मगह पूरव, तहसील खलीलाबाद जिला संतकवीर रनगर

– प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3–सुशीला देवी उम्र 80 साल पत्नी प्रेमनरायन सिंह 4–सुदरान उम्र 60 साल 5–बुद्धिराम उम्र 65 साल पुत्रगण जगरनाथ 6–हरिनाथ उम्र 50 साल 7. हरिप्रसाद उम्र 58 साल 8. हरि कुमार उम्र 48 साल पुत्रगण–चन्द्रभान सिंह 9. सूर्यप्रकाश उम्र 35 साल 10. राकेश उम्र 28 साल पुत्रगण राजनरायन सिंह 11– विनय कुमार उम्र 38 साल 12–अजय कुमार उम्र 35 साल पुत्रगण हरिशंकर 13–सुशीला उम्र 65 साल पत्नी हरिशंकर 14–मारकन्डे उम्र 48 साल 15–त्रियम्बक उम्र 45 साल पुत्रगण–रामलगन सिंह 16–राजेश कुमार उम्र 42 साल पुत्र रामलगन सिंह 17–बच्ची देवी उम्र 85 साल पत्नी रामलगन सिंह 18–देवेन्द्र उम्र 52 साल 19–हरेन्द्र उम्र 48 साल 20–धीरेन्द्र उम्र 39 साल पुत्रगण रामरतन सिंह साकिनान मौजा अनई, तप्पा ऊन, परगना मगह पूरव, तहसील खलीलाबाद जिला संतकवीर रनगर 21–श्यामरती उम्र 70 साल पत्नी रामरतन पान्डेय साकिन अनई तप्पा ऊन परगना मगह रपूरब, तहसील खलीलावाद, जिला संतकवीरनगर 22–सुमन सिंह उम्र 42 साल पत्नी अशोक सिंह 23–जगरनाथ सिंह उम्र 65 साल पुत्र संतमिलन सिंह साकिनान बनकटिया तप्पा ऊन, परगना मगह पूरव, तहसील खलीलाबाद जिला संतकवीर नगर

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थाना क्षेत्र के जंगल गौरी नंबर–एक के मल्लाह टोली में सोमवार सुबह विवाद के बाद एक युवक ने कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जंगल गौरी नंबर–एक निवासी राहुल निषाद (32) पुत्र रामाश्रय निषाद ने सोमवार सुबह अपने कमरे में पंखे से साड़ी बांधकर फंदा लगा लिया। घटना के समय उसकी मां किस्मती देवी शिव मंदिर में पूजा करने गई थीं। पूजा से लौटने पर उन्होंने राहुल को फंदे से लटका देखा। उनकी चीख–पुकार सुनकर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने साड़ी काटकर उसे नीचे उतारा। परिजन उसे तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से डॉक्टरों ने गोरखपुर रेफर कर दिया। एक निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

मृतक की पत्नी प्रियंका ने बताया कि राहुल शराब का आदी था और आए दिन विवाद करता था। दोनों के बीच पूर्व में भी कई बार विवाद हुआ था, जिसमें स्थानीय पुलिस ने सुलह–समझौता कराया था। 14 अगस्त को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। प्रियंका की शिकायत पर पुलिस ने राहुल को जेल भेज दिया था। बाद में मायके वाले प्रियंका को अपने साथ गायघाट ले गए थे.

राहुल की शादी खजनी थाना क्षेत्र के गायघाट में हुई थी। उसके दो बच्चे आठ वर्षीय बेटा रिषभ और पांच वर्षीय बेटी आराध्या हैं। राहुल चार बहनों और तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। घटना के समय उसके पिता और एक भाई मुंबई में, जबकि छोटा भाई चंडीगढ़ में था। थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की मां किस्मती देवी ने लिखित प्रार्थना पत्र दिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी.

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–738/2025
रवि प्रकाश
बनाम
रवी कुमार

1–रवी कुमार आयु करीब 43 साल पुत्र श्री कृष्णचन्द्र मोहल्ला–रानीपोखरा तप्पा–हवेली, नई कालोनी पुरानी बस्ती जिला–बस्ती हाल मुकाम मौजा–कोइलरा तप्पा–खुरियार, परगना–नगर पश्चिम पो०–दयालपुर तहसील–हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 25–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com